Appendix-44
Resolution No. 27 {27-1 (27-1-6)}

INDEX

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER – VI

Sl. No.	Details of Paper	Page No.
1.	**BA (Hons.) Hindi – DSC** 1. हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास **(DSC-16)** 2. अस्मितामूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श) **(DSC-17)** 3. कथेतर गद्य साहित्य **(DSC-18)**	2-7
2.	**Pool of DSE** 1. हिंदी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण 2. भाषा दक्षता और तकनीक 3. गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य 4. शोध प्रविधि	8-15
3.	**Pool of Generic Elective** 1. भारतीय ज्ञान परंपरा 2. न्यू मीडिया	16-19
4	**BA (Prog.) with Hindi DSC as Major** 1. साहित्य चिंतन **(DSC-11)** 2. विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य **(DSC-12)**	20-23
5	**BA (Prog.) with Hindi DSC as Non-Major** 1. साहित्य चिंतन **(DSC-11)**	24-25
6	**BA (Prog.) Hindi : Pool of DSE** 1. हिंदी नवजागरण 2. हिंदी स्त्री-लेखन 3. भक्ति आंदोलन और हिंदी साहित्य	26-31
7	**BA (Prog.) Hindi : Pool of Generic Elective (GE)** 1. हिंदी बाल साहित्य 2. हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध	32-35

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSC-16

हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी की भाषिक संरचना से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी भाषा के ऐतिहासिक क्रम से परिचित होंगे।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी भाषा का उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्य भाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी
- हिंदी भाषा की विकास यात्रा

इकाई 2 : हिंदी भाषा का स्वरूप **(12 घंटे)**

- बोली और भाषा
- हिंदी की बोलियां
- हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र : स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

इकाई 3 : हिंदी भाषा की विविध भूमिकाएं **(12 घंटे)**

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- ज्ञान-विज्ञान की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

इकाई 4 : हिंदी भाषा का नवीन स्वरूप **(12 घंटे)**

- प्रिंट मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भाषा
- सोशल मीडिया की भाषा
- सिनेमा की भाषा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, रेख्ता प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रविंद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. टंडन, डॉ. प्रेम नारायण; भाषा अध्ययन के आधार, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
5. तिवारी, डॉ. उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्गम और विकास।
6. शर्मा, विकास; भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विविध भूमिकाएं, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSC-17
अस्मितामूलक हिंदी साहित्य
(दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 17 अस्मितमूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- अस्मिता मूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी **(9 घंटे)**

- दलित विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- स्त्री विमर्श: भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कथा-साहित्य **(12 घंटे)**

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मन्नू भण्डारी – यही सच है
- एलिस एक्का – धरती लहलहायेगी... झालो नाचेगी... गाएगी

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता **(12 घंटे)**

- दलित कविता : माताप्रसाद – सोनवा का पिंजरा
- आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल – कहां हो तुम माया ('नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से)
- स्त्री कविता : नीलेश रघुवंशी – पानदान

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
- डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSC-18
कथेतर गद्य साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 18 कथेतर गद्य साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के अंतर्गत कथेतर गद्य साहित्य की स्थिति को समझाना।
- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के महत्त्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में कथेतर गद्य साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी।
- कथेतर गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित होंगे।
- कथेतर गद्य साहित्य के लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

इकाई 1 : कथेतर गद्य साहित्य का परिचय **(9 घंटे)**

- कथेतर गद्य साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
- कथेतर गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
- कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य का अंतर्संबंध

इकाई 2 : कथेतर गद्य साहित्य के प्रमुख प्रकार **(12 घंटे)**

- जीवनी, डायरी
- संस्मरण, रेखाचित्र
- रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य

इकाई 3 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- आवारा मसीहा (छात्र संस्करण के प्रारंभिक 100 पृष्ठ) (जीवनी) – विष्णु प्रभाकर

- दद्दा – मैथिलीशरण गुप्त, पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा
- स्मृतिलेखा (रेखाचित्र) – अज्ञेय

इकाई 4 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- अकेला मेला (डायरी) – रमेशचंद्र शाह
- बिदापत-नाच (रिपोर्ताज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- निराला के पत्र (पत्र-साहित्य) – निराला रचनावली (खंड 8)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. नगेंद्र एवं हरदयाल, डॉ. एवं डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. चतुर्वेदी, डॉ. राम स्वरूप; गद्य की सत्ता, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; नया साहित्य – नए प्रश्न, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी।
7. शर्मा, डॉ. रामविलास; निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, नलिन विलोचन (संपादक); हिंदी गद्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी भषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा के स्वरूप और महत्त्व का परिचय कराना।
- भाषा के व्याकरणिक रूप का परिचय देना।
- हिंदी भाषा के विकारी रूपों की रचना को सिखाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की ध्वनि व्यवस्था का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की वाक्य रचना, अर्थ रचना का परिचय प्राप्त होगा।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(9 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण: स्वर, व्यंजन और मात्राएं

इकाई 2 : शब्द एवं पद विचार **(12 घंटे)**

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद : रचना एवं स्रोत के आधार पर
- शब्द-निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- विकारी शब्दों की रूप-रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

इकाई 3: वाक्य-विचार **(12 घंटे)**

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग

- वाक्य के भेद : रचना एवं अर्थ के आधार पर
- वाक्य संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न

इकाई 4: अर्थ-विचार **(12 घंटे)**

- अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास : हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
2. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरू, कामताप्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्यसरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
6. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
7. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
भाषा दक्षता और तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE भाषा दक्षता और तकनीक	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा दक्षता के महत्त्व, प्रयोग विस्तार, शैली, भाषिक संस्कृति और भाषिक कौशलों की समझ विकसित करना।
- तकनीक के साथ भाषा के संबंध की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, समीक्षा आदि पहलुओं को सीख सकेंगे।
- भाषा और तकनीक के सह-संबंध के माध्यम से भाषा के व्यावहारिक रूप को जान सकेंगे।

इकाई 1 : भाषा दक्षता का स्वरूप एवं महत्त्व **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता : तात्पर्य और महत्त्व
- भाषा दक्षता : श्रवण एवं वाचन
- भाषा दक्षता : पठन और लेखन

इकाई 2 : भाषा व्यवहार एवं प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- भाषा व्यवहार : भाषा प्रयोग एवं शैली का महत्त्व
- भाषा को प्रभावित करने वाले कारक : आयु, वर्ग, लिंग, व्यवसाय, शिक्षा और संस्कृति
- भाषा दक्षता में श्रवण, उच्चारण, शुद्ध पठन और रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया

इकाई 3 : भाषा दक्षता और तकनीक **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता में यूनिकोड का महत्त्व
- गूगल वॉयस सर्च और हिंदी दक्षता
- डिजिटल हिंदी और तकनीक का सह-संबंध

इकाई 4 : भाषा दक्षता : व्यावहारिक पक्ष **(9 घंटे)**

- वाचन : भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, किसी साहित्यिक कृति का पाठ
- लेखन : संक्षेपण,पल्लवन, समीक्षा, रिपोर्ट

संदर्भ ग्रंथों की सूची:

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, सृजनात्मक साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, दिलीप; भाषा,साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, सावित्री; हिंदी शिक्षण, गया प्रसाद एंड संस, आगरा।
4. प्रकाश, डॉ. ओम; व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. मुकुल, डॉ. मंजु; संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, शिवमूर्ति; हिंदी भाषा शिक्षण, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद।
7. स्वयं अधिगम सामग्री, हिंदी शिक्षण प्रविधि, इग्नू, नई दिल्ली।
8. कुमार, निरंजन; माध्यमिक विद्यालयों मे हिंदी शिक्षण, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. गुप्ता, मनोरमा; भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व **(12 घंटे)**

- गांधी-दर्शन की अवधारणा
- गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा
- विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी **(9 घंटे)**

- गांधी का गीता भाष्य
- गांधी और रामराज
- गांधी और सनातन संस्कृति

इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी **(12 घंटे)**

- जय गांधी – सोहनलाल द्विवेदी

- महात्मा जी के प्रति – सुमित्रानंदन पंत
- बापू (चार प्रारंभिक अंश) – रामधारी सिंह दिनकर
- तुम कागज पर लिखते हो – भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 4 : हिंदी गद्य में गांधी **(12 घंटे)**

- पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ) – गिरिराज किशोर
- दांडी यात्रा (पृष्ठ संख्या 30-67) – मधुकर उपाध्याय
- भारत का स्वराज और महात्मा गांधी (उपसंहार) – बनवारी
- रचनाकार गांधी – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गांधी, महात्मा; हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा; सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण; गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी.; गांधी : जीवन और दर्शन, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. गिरि, राजीव रंजन; गांधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य, नंद किशोर; अहिंसा की संस्कृति, राजकलम प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. धर्माधिकारी, दादा; गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
8. मिश्र, श्री प्रकाश; अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. मिश्र, दयानिधि; गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
10. पारेख, भीखू; गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
शोध प्रविधि

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE शोध-प्रविधि	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- साहित्यिक शोध से परिचित कराना।
- शोध के नए आयामों का ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के ज्ञान का विस्तार होगा।
- शोध के प्रतिमानों से परिचित होकर शोध-कार्य कर सकेंगे।

इकाई 1 : शोध की अवधारणा **(9 घंटे)**

- शोध : अवधारणा और स्वरूप
- शोध का क्षेत्र एवं शोध-प्रविधि
- शोध की प्रक्रिया

इकाई 2 : प्रमुख शोध पद्धतियाँ **(12 घंटे)**

- भाषा-वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक शोध, पाठालोचन

इकाई 3 : शोध प्रक्रिया के विविध चरण **(12 घंटे)**

- विषय चयन
- सामग्री संकलन
- तथ्य विश्लेषण
- रूपरेखा निर्माण
- शोध प्रबंध लेखन

इकाई 4 : शोध संबंधित अन्य पक्ष **(12 घंटे)**

- शोध संबंधी समस्याएं
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- शोध के साधन और उपकरण
- संदर्भ सूची निर्माण

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिन्हा, सावित्री; अनुसंधान का स्वरूप।
2. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र; अनुसंधान की प्रक्रिया।
3. शर्मा, विनयमोहन; शोध प्रविधि, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सिंह, सरनाम; शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली।
5. अरोड़ा, हरीश; शोध प्रविधि और प्रक्रिया, के. के. पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. त्रिपाठी, विनायक; शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. पांडेय एवं पांडेय, गणेश एवं अरुण; राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. गणेशन, एस. एन.; अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : GE
भारतीय ज्ञान परंपरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE भारतीय ज्ञान परंपरा	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।
- भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा **(12 घंटे)**

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत : संक्षिप्त परिचय **(12 घंटे)**

- वेद और उपनिषद
- पुराण और इतिहास
- धर्म-शास्त्र और स्मृति ग्रंथ
- रामायण, महाभारत और रामचरित मानस

इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन **(9 घंटे)**

- प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ
- पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा

- प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य-दर्शन **(12 घंटे)**

- नव्य-दर्शन और आधुनिक भारत
- स्वामी विवेकानंद नव्य-वेदांत दर्शन और भारत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
- श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत-बोध

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. द्विवेदी, संजय; भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R.N.; Introduction to Indian Knowledge System : Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
5. गुप्ता, बजरंग लाल; पं. दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
6. दीक्षित, हृदयनारायण; पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. शेखर, हिमांशु; स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
8. चौहान, लालबहादुर सिंह; योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : GE
न्यू मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE न्यू मीडिया	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नए मीडिया माध्यमों से परिचित कराना।
- नए मीडिया में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
- जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नए मीडिया की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी नए मीडिया माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
- फेक न्यूज से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई 1 : न्यू मीडिया : स्वरूप एवं अवधारणा **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया : परिभाषा और स्वरूप
- न्यू मीडिया के विविध रूप
- न्यू मीडिया का प्रसार एवं महत्त्व
- न्यू मीडिया बनाम पारंपरिक मीडिया

इकाई 2 : न्यू मीडिया : नए रूप **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया तथा सूचना तकनीक
- नेटवर्किंग साइट्स तथा एप्स
- सोशल मीडिया
- डिजिटल आर्काइव

इकाई 3 : न्यू मीडिया: तकनीकी पक्ष **(9 घंटे)**

- इंटरनेट पत्रकारिता

- ब्लॉग
- वेबसाइट
- पॉडकास्ट

इकाई 4 : न्यू मीडिया: कानूनी पक्ष **(12 घंटे)**

- पाइरेसी तथा कॉपीराइट अधिकार
- न्यू मीडिया माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- साइबर कानून : सामान्य परिचय
- कृत्रिम मेधा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. कुमार, सुरेश; इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; वर्चुअल रियलिटी, साइबर संस्कृति और इंटरनेट, एकेडेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
4. लता, डॉ. स्नेह; सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. अरोड़ा, डॉ. हरीश (संपादक); पत्रकारिता का बदलता स्वरूप और न्यू मीडिया, साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली।
6. हरिमोहन, प्रो.; नए माध्यम, नई हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
7. सुमन, स्वर्ण; सोशल मीडिया : संपर्क क्रांति का कल आज और कल, हार्पर, दिल्ली।
8. नंदा, वर्तिका; मीडिया और बाज़ार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester VI : DSC-11
साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester VI : DSC-12
विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-12 विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी **(12 घंटे)**

- विमर्श की सामाजिक अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कहानी **(12 घंटे)**

- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भण्डारी
- बाबा, कौए और काला धुआँ – रणेंद्र

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता **(12 घंटे)**

- दलित कविता : अछूत की शिकायत – हीरा डोम, ठाकुर का कुआं – ओम प्रकाश बाल्मीकी
- आदिवासी कविता : गुलदस्ते की जगह बेसलरी की बोतलें, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल
- स्त्री कविता : पानदान, हंडा – नीलेश रघुवंशी

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं **(9 घंटे)**

- घर-बाहर – महादेवी वर्मा
- पिजरे की मैना – चंद्रकिरण सोनरेक्सा (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR
Semester VI : DSC-11
साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी नवजागरण

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी नवजागरण	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नवजागरण संबंधी विभिन्न मान्यताओं से परिचित कराना।
- नवजागरणकालीन साहित्य का जानकारी देना।
- नवजागरण संबंधी चिंतन परंपरा से जुड़े पक्षों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नवजागरण संबंधी धारणाओं से परिचित होंगे।
- नवजागरणकालीन साहित्यिक गतिविधियों को जानेंगे।
- नवजागरणकालीन चिंतकों के सरोकारों और गतिविधियों से परिचित होंगे।

इकाई 1 : पुनर्जागरण : अवधारणा एवं महत्त्व **(12 घंटे)**

- पुनरुत्थान एवं पुनर्जागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण व समाज सुधार
- पुनर्जागरण व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन
- हिंदी पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि

इकाई 2 : नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाएं **(12 घंटे)**

- ब्रह्म समाज
- प्रार्थना समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन

इकाई 3 : नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- कविवचन सुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- आनंद कादंबिनी – बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
- सरस्वती – महावीर प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : हिंदी नवजागरण से संबंधित चयनित पाठ **(9 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट
- भारत दुर्दशा – प्रताप नारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भट्ट, बालकृष्ण; निबंध संग्रह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास शर्मा; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. चौहान, शिवदान सिंह; हिंदी साहित्य का अस्सी बरस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दयानंद, स्वामी; सत्यार्थ प्रकाश, किरण प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भाषा, साहित्य और संस्कृति, ओरियंट ब्लैक स्वान, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी स्त्री-लेखन

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE हिंदी स्त्री-लेखन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी स्त्री-लेखन विभिन्न पाठों एवं रचनाकारों से परिचित कराना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री-लेखन की गंभीरता को समझेंगें।
- समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक बनेगें।
- स्त्री-लेखन से संदर्भित प्रश्नों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी स्त्री-लेखन : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- स्त्री-लेखन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी स्त्री-लेखन का प्रारंभ और विकास

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कविता **(9 घंटे)**

- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- नाम और पता – स्नेहमयी चौधरी
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल

इकाई 3 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- दुलाई वाली – राजेंद्र बाला घोष

- स्त्री सुबोधीनी – मन्नू भंडारी
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- ना ज़मी अपनी ना फलक अपना – मालती जोशी

इकाई 4 : हिंदी स्त्री-लेखन : अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा : जीने की कला
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में (अंश – बेटी की शादी)
- कृष्णा सोबती : बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख'
- जूते चिढ़ गए हैं : सूर्यबाला

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. सदायत, चंदा (संपादक); सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
2. भंडारी, मन्नू; त्रिशंकु (कहानी संग्रह), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन।
4. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. जोशी, मालती; ना ज़मी अपनी ना फलक अपना (कहानी संग्रह), साक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजे, सुमन; हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. माधव, नीरजा, हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास, सामायिक बुक्स, दिल्ली।
8. मालती, के. एम.; स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, भवदेव; बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति-आंदोलन से परिचित होंगे।
- भक्ति-आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भक्ति-आंदोलन : उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- भक्ति का स्वरूप
- भक्ति-आंदोलन की पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन उद्भव संबंधी अवधारणाएँ
- भक्ति-आंदोलन की विकास-यात्रा

इकाई 2 : भक्ति-आंदोलन का दार्शनिक पक्ष **(12 घंटे)**

- उपनिषद्
- श्रीमद्भागवत पुराण और भगवद्गीता
- वेदांत दर्शन

- प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय – शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

इकाई 3 : भक्ति-आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
- सूफ़ी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

इकाई 4 : भक्ति-आंदोलन और सगुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- सगुण भक्ति का स्वरूप
- राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)
- कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य कोश (भाग1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक); कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. तुलसीदास, गोस्वामी; दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : GE
हिंदी बाल साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी बाल साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को बाल साहित्य से परिचित कराना।
- बाल साहित्यकारों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में बाल साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- बाल साहित्य के लेखन और प्रकाशन की दिशा में काम होगा जिससे बाल साहित्य समृद्ध होगा।
- बाल साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- बाल साहित्य की अवधारणा एवं परिभाषा
- बाल साहित्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
- बाल साहित्य लेखन की प्रक्रिया / प्रविधि
- बाल साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ

इकाई 2 : प्रमुख बाल कविताएँ / गीत **(12 घंटे)**

- उठो लाल अब आँखें खोलो – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- चाँद का कुर्ता – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- चंदा मामा आ – द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
- विश्वास – बाल कवि बैरागी

इकाई 3 : प्रमुख बाल कथाएँ **(12 घंटे)**

- अक्ल बड़ी या भैंस – अमृतलाल नागर
- दीप जले शंख बजे – जयप्रकाश भारती
- डाकू का बेटा – हरिकृष्ण देवसरे
- मंजिल – भगवती प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : बाल पत्रिकाएँ (सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ) **(9 घंटे)**

- पराग
- साइकिल
- चंपक
- बालभारती

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. देवसरे, हरिकृष्ण (संपादक), भारतीय बाल साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ. सुरेंद्र नाथ; हिंदी बाल साहित्य : परंपरा, विकास एवं मूल्यांकन, कौशल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सेवक, निरंकार देव; बालगीत साहित्य : इतिहास और समीक्षा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
4. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत (संपादक); भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
5. पांडेय, अमिताभ; बाल काव्य के प्रमुख प्रणेता, शिल्पी प्रकाशन, लखनऊ।
6. भारती, जयप्रकाश; बाल पत्रकारिता : स्वर्गयुग की ओर, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।
7. शुक्ल एवं राष्ट्रबंधु, डॉ. त्रिभुवन नाथ एवं डॉ.; भारतीय बाल साहित्य की भूमिका, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. श्रीप्रसाद, डॉ.; हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मूर्ति, सुधा; श्रेष्ठ बाल कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. मनु, प्रकाश; हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियां और संभावनाएँ, कृतिका बुक्स, नई दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : GE
हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य-बोध की परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक भारतीय मूल्य संपदा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्यों के महत्त्व को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय मूल्यों की जीवंत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्य-बोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में वर्णित भारतीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय मूल्य-बोध का स्वरूप **(9 घंटे)**

- मूल्य-बोध की भारतीय अवधारणा
- सामाजिक मूल्य
- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्य
- पारिवारिक मूल्य

इकाई 2 : हिंदी काव्य और भारतीय मूल्य-बोध (संक्षिप्त परिचय) **(12 घंटे)**

- 'रामचरित मानस' में उद्घाटित भारतीय सांस्कृतिक मूल्य
  (केवट प्रसंग, भरत मिलाप प्रसंग, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद प्रसंगों के आधार पर)
- 'भारत भारती' और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्य

- 'रश्मिरथी' और भारतीय पारिवारिक और सामाजिक मूल्य

इकाई 3 : हिंदी की प्रमुख कहानियों में वर्णित भारतीय मूल्य **(12 घंटे)**

- आहुति – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत

इकाई 4 : हिंदी के प्रमुख निबंधों में वर्णित भारतीय मूल्य **(12 घंटे)**

- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- शिक्षा का उद्देश्य – डॉ. संपूर्णानंद
- रहिमन पानी राखिए – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भारती, डॉ. धर्मवीर; मानव-मूल्य और साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ।
2. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
4. वर्मा, सुरेंद्र; भारतीय जीवन मूल्य, पार्श्वनाथ विद्यापीठ ग्रंथमाला, वाराणसी।
5. गुप्ता, डॉ. बजरंग लाल; भारतीय सांस्कृतिक मूल्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. पांडेय, गोविंद चंद्र; मूल्य मीमांसा, राका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।